निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए-

२. टूटे से फिर ना मिले, मिले गाँठ परि जाय।

क) उत्तर- जब कोई धागा एक बार टूट जाता है तो फिर उसे जोड़ा नहीं जा सकता। जोड़ने की कोशिश में उस धागे में गाँठ पड़ जाती है। किसी से रिश्ता जब एक बार टूट जाता है तो फिर उस रिश्ते को दोबारा जोड़ा नहीं जा सकता। उसमे पहले जैसा कुछ नहीं रहता।

सुनि अठिलैहैं लोग सब, बाँटि न लैहैं कोय।

ख) उत्तर- अपने दर्द को दूसरों से छुपा कर ही रखना चाहिए। जब आपका दर्द किसी अन्य को पता चलता है तो लोग उसका मजाक ही उड़ाते हैं। कोई भी आपके दर्द को बाँट नहीं सकता। सभी आपके दर्द में आपका मजाक ही बनाते हैं। अतः सही है कि आप आपने दर्द को अपने मन में ही रखें।

रहिमन मूलहिं सींचिबो, फूलै, फलै अघाय।

ग) उत्तर- एक बार में कोई एक कार्य ही करना चाहिए। एक काम के पूरा होने से कई काम अपने आप हो जाते हैं। यदि एक ही साथ आप कई लक्ष्य को प्राप्त करने की

कोशिश करेंगे तो कुछ भी हाथ नहीं आना। यह वैसे ही है जैसे जड़ में पानी डालने से ही किसी पौधे में फूल और फल आते हैं।

दीरघ दोहा अरथ के, आखर थोरे आहिं।

घ) किसी भी दोहे में कम शब्दों में ही बहुत बड़ा अर्थ
उत्तर→ छिपा होता है। यह वैसे ही होता है जैसे नट की कुंडली होती है। नट अपनी कुंडली में सिमट कर तरह तरह के आश्चर्यजनक करतब दिखा देता है।

नाद रीझि तन देत मृग, नर धन देत समेत।

ङ) हिरण किसी के संगीत से खुश होकर अपना शरीर
उत्तर→ न्योछावर कर देता है। इसी तरह से कुछ लोग दूसरे के प्रेम से खुश होकर अपना सब कुछ दे देते हैं। परन्तु कुछ लोग इतने स्वार्थी होते हैं कि वे दूसरों से तो बहुत कुछ ले लेते हैं लेकिन खुद बदले में कुछ भी नहीं देते।

जहाँ काम आवे सुई, कहा करे तरवारि।

च) जहाँ छोटी चीज की जरूरत होती है वहाँ पर बड़ी चीज
उत्तर→ बेकार हो जाती है। जैसे जहाँ सुई की जरूरत होती है वहाँ तलवार का कोई काम नहीं होता। अतः किसी को छोटी समझ कर उसका मजाक नहीं उड़ाना चाहिए।

घ) पानी गए न ऊबरै, मोती, मानुष, चून।

उत्तर→ बिना पानी के न तो मोती बनता है, न आटा गूँधा जा सकता है और पानी के बिना मनुष्य जीवन भी असंभव है।

3. जिस पर विपदा पड़ती है वही इस देश में आता है।

क) जा पर बिपदा पड़त है, सो आवत यह देस।

उत्तर→

ख) कोई लाख कोशिश करे पर बिगड़ी बात फिर बन नहीं सकती।

बिगरी बात बनै नहीं, लाख करौ किन कोय।

उत्तर→

ग) पानी के बिना सब सूना है अतः पानी अवश्य रखना चाहिए।

रहिमन पानी राखिए, बिनु पानी सब सून।

उत्तर→